- **फोनोलॉजी क्लिनिक:** यह स्पीच साउंड डिसऑर्डर वाले बच्चों के व्यापक मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए विशेष इकाई है। इसमें बच्चे के लिए उपयुक्त सेवा प्रदान करने के लिए पेशेवरों की एक टीम है।
- **चिकित्सा पेशेवर परामर्श**: अन्य चिकित्सा पेशेवर बच्चे की संबंधित स्थितियों का आकलन और उपचार करते हैं।
- **बाल रोग विशेषज्ञ**: बच्चे की किसी भी चिकित्सा स्थिति का इलाज करने के लिए।
- **प्लास्टिक सर्जन:** कटे होंठ और तालू वाले बच्चों की सर्जरी करना और जरूरत पड़ने पर उपयुक्त कृत्रिम अंग प्रदान करना।
- **ऑर्थोडॉन्टिस्ट:** दंत असामान्यताओं का आकलन और उपचार करने के लिए:
- **स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट:** स्कूल के दौरे के दौरान बच्चे द्वारा अनुभव की जाने वाली वाक् समस्या की पहचान करेंगे, और शिक्षक को उन संशोधनों के बारे में उन्मुख किया जाएगा जिन्हें उनकी मदद के लिए शामिल किया जा सकता है।

देखभाल करने वालों को गृह प्रशिक्षण और अनुवर्ती प्रक्रिया के महत्व के बारे में परामर्श दिया जाएगा।

- उच्चारण विकार को रोकने के लिए युक्तियाँ हमेशा बच्चे को बोलने का सही मॉडल प्रदान करें।
- भाषा के विकास के दौरान लंबे समय तक बच्चे को बात करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- श्रवण हानि वाले बच्चों के लिए यथाशीघ्र उपयुक्त श्रवण यंत्र उपलब्ध कराएं।
- बचपन में पर्याप्त वाक् और भाषा उत्तेजना प्रदान करें।
- कान से संबंधित विकारों का तुरंत इलाज कराएं।
- गर्भावस्था के दौरान मां को उचित स्वास्थ्य देखभाल और पोषण लेना चाहिए।
- गर्भावस्था के दौरान संक्रमण से बचें, खासकर पहली तिमाही में।
- रक्त संबंधियों के बीच शादी से बचें।
- 16 से पहले और 35 साल के बाद पहले बच्चे के गर्भधारण से बचें।
- अपने बच्चे को नियमित टीकाकरण के लिए ले जाएं।

* * *

CONTACT US

@AIISHMYSORE1 AIISH MYSURU AIISH Mysuru AIISH Mysuru

उच्चारण विकार

विकृति रोकथाम विभाग, (पी ओ सी डी)

अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान

(भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन)

ISO 9001:2005 प्रमाणित

नैमिषम आवरण, मानसगंगोत्री, मैसूरु- 570 006

फ़ोन नंबर: +91-0821 2502703 / 2502575, **टोल फ्री**: 18004255218

ई मेल: director@aiishmysore.in, **वेबसाईट:** www.aiishmysore.in

@AIISHMYSORE1 AIISH MYSURU AIISH Mysuru AIISH Mysuru

उच्चारण विकार, बोलते समय उच्चारण में कठिनाईओं का होना हैं। जब छोटे बच्चे बोलना शुरू करते हैं तो हम सभी को उनके बच्चे जैसी बातें सुनना अच्छा लगता है। लेकिन अगर वे 3 साल या उसके बाद भी ऐसे ही बोलते रहें, तो हम चिंतित हो जाते हैं। क्योंकि उनके आवाज़ में एक ध्वनि दूसरी ध्वनि पर प्रतिस्थापन होती है, इस कारण कुछ ध्वनियों में चूक हो सकती है। बच्चे की बात समझने मे लोगों को दिक्कत हो सकती है।

उच्चारण विकार वाला व्यक्ति निम्नलिखित में से एक या अधिक लक्षण प्रदर्शित कर सकता है:

- उनके बोली में स्पष्टता कम होती है और उन्हें समझना मुश्किल होता है।
- ध्वनियों या शब्दों के उत्पादन में त्रुटियां जैसे: प्रतिस्थापन ('चम्मच' के लिए "तम्मच") चूक ('जूता' के लिए 'ता') जोड़ ('खाना' के लिए 'खालना') विरूपण ('सूर्य' के लिए 'सिससूर्या')
- लंबे वाक्य बोलने में कठिनाई।
- बोलते समय नाक के माध्यम से हवा का निकलना जिससे वाणी को नासिकायुक्त माना जाता है।

उच्चारण विकार के कारण:

- मौखिक संरचना विकृति जैसे, होंठ या तालु में छेद होना
- मुंह की असामान्य संरचना (दांतों की असामान्यताएं)

- जीभ की अकड़न: इस स्थिति में जीभ मुंह के तल से जुड़ी होती है तथा जीभ की सामान्य गति सीमित होती है
- मौखिक संरचनाओं और चेहरे की मांसपेशियों में कमजोरी।
- श्रवण दोष: बातें सुनने में कठिनाई।
- लंबे समय तक कान में संक्रमण रहने से बच्चे को सुनने में समस्या हो सकती है।
- बौद्धिक अक्षमता: खराब/औसत से कम बुद्धि मस्तिष्क क्षति/तंत्रिका संबंधी शिथिलता
- सेरेब्रल पाल्सी: मस्तिष्क क्षति से मौखिक संरचनाओं और मांसपेशियों की कमजोरी और शिथिलता हो सकती है।
- स्पीच साउंड डिसऑर्डर के लिए ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ स्पीच एंड हियरिंग में उपलब्ध उपचार सुविधाएं में स्पीच साउंड डिसऑर्डर वाले व्यक्तियों के इलाज के लिए अत्याधुनिक उपकरण, सॉफ्टवेयर प्रोग्राम और पेशेवर हैं। उपचार प्रेरक कारकों पर आधारित है।

निम्नलिखित उपचार सुविधाएं उपलब्ध हैं:

स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट (एसएलपी) परामर्श

विस्तृत मूल्यांकन: ध्वनि त्रुटि की पहचान करने के लिए

स्पीच थेरेपी: एसएलपी सही जीभ और होंठ की हरकतों को सिखाकर भाषण की स्पष्टता के सुधार पर काम करता है

- **ईएनटी और ऑडियोलॉजिकल परामर्श:** यदि समस्या कान से संबंधित समस्याओं या कान के नुकसान के कारण है जिसका इलाज चिकित्सकीय या / और शल्य चिकित्सा से किया जा सकता है, तो एक ईएनटी डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। कान से संबंधित समस्याएं जिनका इलाज चिकित्सकीय / शल्य चिकित्सा से नहीं किया जा सकता है, एक ऑडियोलॉजिस्ट से परामर्श लेना चाहिए।
- **मनोवैज्ञानिक परामर्श:** बच्चे की मानसिक क्षमताओं और आईक्यू का आकलन करने के लिए।

- **विशेष शिक्षक:** बच्चे की शैक्षणिक क्षमताओं का आकलन और सहायता करने के लिए।